Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

AFMA–234

M.A. (Final) Examination, 2023

PHILOSOPHY

Paper – VI, VII, VIII (ii)

(Jainism)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 8 × 5 = 40)**

Note :– Answer any *five* questions out of seven (Answer limit **200** words). Each question carries **8** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

Section–C **(Marks : 20 × 2 = 40)**

Note :– Answer any *two* questions out of four (Answer limit **500** words). Each question carries **20** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

Section–A

(खण्ड–अ)

1. Define the following concepts :

   निम्नलिखित सम्प्रत्ययों को परिभाषित कीजिए :

   (i) Substance

   द्रव्य

   (ii) Astikāya

   अस्तिकाय

   (iii) Anekantvad

   अनेकान्तवाद

   (iv) Five Bhavas

   पाँच भाव

   (v) Dharma Dravya

   धर्म द्रव्य

   (vi) Kaivli

   केवली

   (vii) Naya

   नय

   (viii) Omniscience

   सर्वज्ञता

   (ix) Nature of Reality According to Jainism

   जैन दर्शन के अनुसार सत् का स्वरूप

   (x) Pudgala

   पुद्गल

Section–B

(खण्ड–ब)

2. What do you understand by Parinamik Bhava ?

   पारिणामिक भाव से आप क्या समझते हैं ?

3. Explain the nature of Jiva according to Jain Philosophy.

   जैन दर्शन के अनुसार जीव के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

4. Explain Saptabhanginaya.

   सप्तभंगीनय की व्याख्या कीजिए।

5. Discuss the criticism of Mayavad made by Jain Philosophy.

   जैन दर्शन के द्वारा की गई मायावाद की आलोचना का विवेचन कीजिए।

6. Explain the Jain view on Prāmānyavāda.

   प्रामाण्यवाद पर जैन मत की व्याख्या कीजिए।

7. The Jainism's views on Charvak Metaphysical Postulate.

   चार्वाक की तत्वमीमांसीय मान्यता पर जैनदर्शन का दृष्टिकोण।

8. Explain the *seven* elements in the context of the path of liberation.

   मोक्षमार्ग के सन्दर्भ में **सात** तत्वों की व्याख्या कीजिए।

Section–C

(खण्ड–स)

9. Discuss the Jain doctrine of reality and compare it with Buddhists and Shankar Vedantians.

   सत् विषयक जैन सिद्धान्त का विवेचन कीजिए और बौद्ध एवं शंकर वेदान्तियों से इनकी तुलना कीजिए।

10. Write an essay on the nature of Jiva, bondage and liberation according to Jainism.

    जैन दर्शन के अनुसार जीव, बंधन और मोक्ष के स्वरूप पर एक निबन्ध लिखिए।

11. Write the nature of Praman and critical evaluate of the definitions of Praman according to Nyaya and Buddhism.

    प्रमाण का स्वरूप लिखिए और न्याय एवं बौद्ध दर्शन के अनुसार प्रमाण की परिभाषाओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

12. Critically evaluate theory of Syadvad of Jainism.

    जैन दर्शन के स्याद्वाद की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।